'अमृत महोत्सव' धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया

सुख शांति भवन, अहमदाबाद। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन ब्र.कु. सरला, डायरेक्टर,गुजरात ज़ोन का 75वां जन्मदिवस 'अमृत महोत्सव' के रूप में बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के जनमार्ग पर 101 कुमारियों व माताओं द्वारा कलश लेकर तथा बैन्ड, ढ़ोल और शहनाई के सुर के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वरिष्ठ भाइयों ने ब्र.कु. सरला को सम्मान-पत्र प्रदान किया तथा 25000 से अधिक गुलाब के फूलों से बना हार पहनाकर सम्मानित किया।

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों व दिव्य गुंजन ग्रुप के कुमारों द्वारा जन्मदिन के गीतों ने वातावरण को उमंग-उत्साह व खुशियों से सराबोर कर दिया। इस अमृत महोत्सव के अवसर पर ब्र.कु. जयन्ती, ब्र.कु. भावना,न्यूज़ीलैण्ड, ब्र.कु. गीता,माउण्ट आबू, ब्र.कु. करुणा,माउण्ट आबू, ब्र.कु. मोहन सिंघल,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. भारती,राजकोट उपस्थित रहे।

इसके साथ ही निरमा ग्रुप के चेयरमैन करसन भाई पटेल, गुजराती फिल्म अभिनेत्री भाविनी जानी, भारत के लाफिंग क्लब के कन्वीनर डॉ. मुकुंद मेहता, पूर्व चुनाव कमिशनर बिपिन शाह, अहमदाबाद मेडिकल एसोसियेशन के पूर्व प्रमुख डॉ. मेहुल शाह, उद्योगपति परमानंद और शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपनी शुभभावना व्यक्त की।

अवचेतन का झुकाव जीवन की ओर... -ब्र.कु.शोभिका,शांतिवन

आपका अवचेतन मन असीम जीवन और असीम बुद्धिमता के संपर्क में रहता है। इसके आवेग और विचार का रुख हमेशा जीवन की ओर होता है। अधिक व्यापक व उदात्त जीवन की महत्वाकांक्षाएं, प्रेरणाएं और सपने अवचेतन से ही उत्पन्न होते हैं। आपके सबसे गहन विश्वास वे होते हैं, जिनके बारे में आप तर्क-वितर्क नहीं कर सकते, क्योंकि वे आपके चेतन मन से नहीं, बल्कि आपके अवचेतन मन से आते हैं।

आपका अवचेतन आपसे अंतर्ज्ञान, आवेगों, अनुभूतियों, संकेतों, मनोकामनाओं और विचारों के ज़रिये बात करता है। यह हमेशा आपको प्रेरित करता है कि उठो, बाधाएं पार करो, विकास करो, आगे बढ़ो, रोमांच हासिल करो और ज़्यादा ऊंचाइयों पर पहुंचो। प्रेम करने या दूसरों का जीवन बचाने की इच्छा आपके अवचेतन की गहराइयों से आती है। आपका कल्पनावादी मन निरंतर सामान्य हित में काम करता है और सभी चीज़ों के पीछे सामंजस्य के निहित सिद्धांत को प्रदर्शित करता है। आपके अवचेतन मन की अपनी खुद की इच्छा है और यह अपने आप में बहुत वास्तविक है। आप चाहें या न चाहें, यह दिन-रात काम करता है। यह आपके शरीर का निर्माता है, लेकिन आप इसके निर्माण को देख, सुन या महसूस नहीं कर सकते। यह बिल्कुल खामोश प्रक्रिया है। आपके अवचेतन का अपना खुद का जीवन है, जो हमेशा सामंजस्य, सेहत और शांति की ओर होता है।

अच्छाई की घोषणा

वैज्ञानिक बताते हैं कि हर ग्यारह महीनों में आपका शरीर नया बन जाता है। इसका मतलब है कि शारीरिक दृष्टि से आप सिर्फ ग्यारह महीने बूढ़े हैं। अगर आप डर, क्रोध, ईर्ष्या और दुर्भावना के विचारों से अपने शरीर में दोबारा दोष आने देते हैं, तो इसमें आपके सिवा और कोई दोषी नहीं है। आप अपने कुल विचारों का योग हैं। आप नकारात्मक छवियां रखने से इंकार कर सकते हैं। अंधेरे से छुटकारा पाने का तरीका रोशनी है। ठंड से उबरने का तरीका गर्मी है। नकारात्मक सोच से उबरने का तरीका सकारात्मक विचार रखना है। अच्छाई की घोषणा करें, बुराई अपने आप गायब हो जाएगी।

सेहतमंद, जीवंत और शक्तिशाली बनना स्वाभाविक है, बीमार होना अस्वाभाविक है। बीमारी का यह अर्थ है कि आप जीवन की धारा के विपरीत जा रहे हैं और नकारात्मक सोच रहे हैं। जीवन का नियम विकास का नियम है। पूरी प्रकृति खामोशी से लगातार धीरे-धीरे विकास करके इस नियम के प्रमाण देती है। जहां भी विकास और अभिव्यक्ति है, वहां जीवन है। जहां जीवन है, वहां सामंजस्य है, वहां आदर्श स्वास्थ्य है। बीमारी के उपचार में आपको अपने पूरे तंत्र में

सभी प्रार्थनाएं सफल नहीं होती हैं, हर व्यक्ति यह बात जानता है। संदेहवादी इससे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि प्रार्थना काम नहीं करती है। वे इस बात को नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि सफल प्रार्थना के लिए इसका कारगर प्रयोग होना चाहिए और इसके वैज्ञानिक आधार की स्पष्ट समझ होनी चाहिए।

अवचेतन मन की महत्वपूर्ण शक्तियों का प्रवाह और फैलाव बढ़ाना होगा। डर, चिंता, तनाव, ईर्ष्या, नफरत और अन्य सभी विनाशक विचारों को हटाकर ऐसा किया जा सकता है। ये विचार आपकी तंत्रिकाओं और ग्रंथियों को कमज़ोर तथा नष्ट कर देते हैं – बॉडी टिशू को भी, जो सारे अवशिष्ट पदार्थों के उत्सर्जन को नियंत्रित करता है और शरीर को साफ रखता है। याद रखें आप चेतन रूप से जिसमें विश्वास करते हैं और जिसे सच मानते हैं, वह आपके मस्तिष्क, शरीर और परिस्थितियों में प्रकट हो जाएगा। अच्छाई की घोषणा करें, सफलता, सेहत, सामंजस्य की प्रार्थना करें और जीवन की खुशी पाएं।

अवचेतन की स्वीकृति

सभी प्रार्थनाएं सफल नहीं होती हैं, हर व्यक्ति यह बात जानता है। संदेहवादी इससे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि प्रार्थना काम नहीं करती है। वे इस बात को नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि सफल प्रार्थना के लिए इसका कारगर प्रयोग होना चाहिए और इसके वैज्ञानिक आधार की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। सिर्फ तभी हम जान सकते हैं कि कोई खास प्रार्थना कारगर क्यों नहीं हुई और इसे ज़्यादा असरदार बनाने के लिए हमें कौन-सा व्यावहारिक तरीका अपनाना चाहिए। यदि आपकी प्रार्थनाओं का अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहा है तो इसका मुख्य कारण है - विश्वास की कमी और बहुत ज़्यादा कोशिश। आपको असफलता से उबरने के लिए बस एक ही काम करना है वह है अपने विचार या आग्रह अपने अवचेतन मन से स्वीकृत करवाना। इसकी वास्तविकता को महसूस करें, बाकी का काम आपके मस्तिष्क का नियम कर देगा। अपने आग्रह को आस्था और विश्वास से सौंपें। तभी आपका अवचेतन उस पर काम करेगा और आपकी इच्छा को हकीकत में बदल देगा। परिणाम पाने में असफल होने के कारण निम्नलिखित भी हो सकते हैं जो आप मानसिक रूप से कह रहे हों :–

- स्थिति बिगड़ती जा रही है।
- मेरी इच्छा कभी पूरी नहीं होगी।
- मुझे कोई रास्ता नहीं दिख रहा है।
- कोई उम्मीद नहीं है।
- मुझे नहीं पता कि क्या करना है।
- मैं उलझन में हूँ।

जब आप इस तरह की बातें सोचते हैं तो आपको अवचेतन मन की ओर से कोई प्रतिक्रिया या सहयोग नहीं मिलता है। आपके मन में एक स्पष्ट विचार होना चाहिए। आपको एक निश्चित निर्णय पर पहुंचना चाहिए कि कोई रास्ता है, बीमारी या परेशान करने वाली समस्या का कोई समाधान है। सिर्फ आपके अवचेतन के भीतर की असीमित बुद्धिमता जवाब जानती है। जब आप अपने चेतन में इस स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंचते हैं, तो आपका

पेज 11 पर शेष

रूपवास-भरतपुर(राज.)। हेम सिंह भडाना,मिनीस्टर फॉर फूड एण्ड सिविल सप्लाइज़ को ईश्वरीय सौगात तथा आध्यात्मिक साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. पूनम तथा ब्र.कु. मिथन। साथ हैं सुरेन्द्र यादव, एस.डी.एम.,रूपवास।

दिल्ली-रोहिणी। डिप्युटी कमिशनर दीपक पुरोहित को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.रजनी।

कायमगंज-उ.प्र.। महाशिवरात्रि कार्यक्रम में बालब्रह्मचारी महेशयोगी जी को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.मिथलेश।

मुंबई-बोरीवली। महिला दिवस पर ब्र.कु.दिवयाप्रभा को "वुमेन एक्सीलेंस अवॉर्ड" से सम्मानित करते हुए डॉ.कमल गुप्ता,चेयरमैन लाला लाजपत राय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट।

चंदननगर-पुणे(महा.)। 'भारत का स्वर्णिम भविष्य महोत्सव मेला' के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित हैं कांग्रेस के पुणे जिला प्रमुख अभय छानेड़, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता शाम जाजू, नगरसेवक मुलिक, ब्र.कु. अंजली तथा अन्य।

रतलाम-डोंगेरनगर(म.प्र.)। 78वीं त्रिमूर्ति शिवजयन्ती के अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए नगर विधायक चैतन्य कश्यप, भा.ज.पा. अध्यक्ष मनोहर पोरवाल, ब्र.कु.सविता तथा अन्य।